

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय - ५, मुंबई

आवधिक परीक्षा- 1 प्राथमिक वर्ग (23-24)

कक्षा - पाँचवीं वर्ग _____ विषय - हिन्दी पूर्णांक - 40

नाम _____ अनुक्रमांक _____ दिनांक ----- समय - 90 मिनट

हस्ता. निरीक्षक _____ हस्ता. परीक्षक _____ प्राप्तांक _____

1. प्र. उदाहरण के अनुसार दो अनाजों के नाम लिखो | (2)

उदा. गेहूँ

2. प्र. नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण दो प्रकार की संज्ञाओं में करो | (2)

शहर लेह शेरवानी धातु

जातिवाचक - -----

व्यक्तिवाचक - -----

3. प्र. किन-किन चीज़ों से तेल बनता है ? (2)

4. प्र. अपने मनपसंद त्योहार के बारे में दो वाक्य लिखो | (2)

5. प्र. नीचे लिखी संज्ञाएँ किन क्रियाओं से बनी हैं ? (2)

उदा. कटाव - कट

चुनाव - ----- बहाव- -----

6.प्र. दिए गए प्रांतों के नाम को वहाँ मनाए जाने वाले फसलों से जुड़े त्योहार से मिलाओ ।
(2)

उत्तर प्रदेश ओणम

असम मकर-संक्रांति

केरल पोंगल

तमिलनाडु बीहू

7.प्र. दो ऐसे त्योहारों के नाम लिखो जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं । (2)

8.प्र. एक शब्द में उत्तर दो । (2)

(क) राम,कौशल्या और ताड़का -- ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं ?

(ख) मंत्री ने अपने बेटे को कहाँ भेजा ?

9.प्र. "खरगोश की-सी कातर आँखें"

पशु-पक्षियों से तुलना करते हुए दो ऐसे उदाहरण दो । (4)

10.प्र.सही अर्थ चुनकर लिखो । (4)

(कठिन, हैरान, पर्व, हुकम)

चकित ----- मुश्किल ----- आदेश ----- त्योहार -----

11.प्र. सही शब्द बनाओ | (2)

ल कौ तू ह - ----- ना मु आ य - -----

12.प्र. उल्टे शब्द लिखो | (2)

नए x ----- खुश x -----

13.प्र. वचन बदलो | (2)

उदा. फ़सल - फ़सलें

केला - ----- बोरा- -----

14.प्र. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दो | (5)

लोनपो गार तिब्बत के बतीसवें राजा सौनगवसैन गांपो के मंत्री थे | वे अपनी चालाकी और हाज़िरजवाबी के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे | कोई उनके सामने टिकता न था | चैन से ज़िंदगी चल रही थी | मगर जब से उनका बेटा बड़ा हुआ था उनके लिए चिंता का विषय बना हुआ था | कारण यह था कि वह बहुत भोला था |

(क)लोनपो गार कौन थे ?

(ख)वे किस चीज़ के लिए मशहूर थे ?

(ग)खाली जगह भरो |

कारण यह था कि वह बहुत ----- था |

(ख) लिंग बदलो ।

राजा ----- बेटा -----

(ग) वाक्य बनाओ ।

भोला -----

16.प्र. सुलेख लिखो ।

(5)

रोहन एक मेहनती युवक था । वह दिनभर शिकार खेलता,मछलियाँ पकड़ता और जंगल में घूम कर फल तोड़ता था । जब उसे भूख लगती तो जंगली फल खा लेता । प्यास लगती तो नदियों का शीतल जल पी लेता,फिर अपने काम में जुट जाता। एक दिन सुबह से शाम तक उसे कोई शिकार नहीं मिला ।
